ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

सर्व सम्बन्धों का रस एक बाप से लेने वाले ही नष्टोमोहा - बाप को सर्व सम्बन्धों से अपना बना लिया है? सिर्फ बाप के सम्बन्ध से नहीं लेकिन सर्व सम्बन्ध बाप के साथ हो गये अपना बनाना अर्थात् बाप का खुद बनना। तो सर्व सम्बन्ध से एक बाप दूसरा न कोई, जिसके सर्व सम्बन्ध बाप के साथ हो गये उसका शेष गुण क्या दिखाई देगा? वह सदा निर्मोही होगा। जब किसी तरफ लगाव अर्थात् झुकाव नहीं तो माया से हार हो नहीं सकती। ऐसे नष्टोमोहा बनना अर्थात् सदा स्मृति स्वरूप। **सदैव अमृतवेले यह स्मृति में लाओ कि सर्व सम्बन्धों का सुख हर रोज बाप दादा से लेकर औरों को भी दान देंगे। हर सम्बन्ध का सुख लो। सर्व सुखों के अधिकारी बन औरों को भी बनाओ। ऐसे अधिकारी समझने वाले सदा बाप को अपना साथी बनाकर चलते हैं। जो भी काम हो तो साकार साथी न याद आवे पहले बाप याद आवे। सच्चा मित्र भी तो बाप हैं ना, ऐसे सच्चे साथी का साथ लो तो सहज ही सर्व से न्यारा और प्यार बन जायेंगे। एक बाप से लगन है तो नष्टोमोहा हैं।**

Amritvela

Only those who experience the sweetness of all relationships with the one Father can become the destroyers of attachment Have you made the Father belong to you in all relationships? Not just in the relationship of the Father, but you now belong to Him in all relationships. To make Him belong to you means that you belong to Him. So, all your relationships are only with the one Father and none other. What special virtue should be seen in those who have all relationships with the one Father? They are constantly free from attachment. When you have no attachment and are not subservient to anyone, you cannot be defeated by Maya. To become the destroyers of attachment in this way means to be a constant embodiment of remembrance. **Each day at Amrit vela, remain aware that you will experience the happiness of all relationships with BapDada and donate that to all souls. Experience the happiness of having all relationships with the Father. Become one who has a right to the happiness of having all relationships with Baba and make others the same. Those who have a right to this relationship will always move along with the Father as their Companion. Whatever work you do, you should not remember your physical companion, but should remember BapDada. After all, Baba is your true Friend. Therefore, stay in the company of this Companion and you will easily become detached from everyone else and loved by all. When you love the one Father alone, you are able to become a destroyer of all attachment.**

Avyakt Vani-06.01.1979

परिस्थितियों के बीच माइण्ड कन्ट्रोल की ड्रिल

बापदादा- 28.02.2010

अभी बापदादा सभी बच्चों को एक ड्रिल कराने चाहते हैं। वह ड्रिल है, चारों ओर की परिस्थितियां हैं, कहाँ कोई परिस्थिति है, कहाँ कोई परिस्थिति है, ऐसे चारों ओर के परिस्थितियों के बीच में आप एक सेकण्ड में एकाग्र हो सकते हो? ऐसी प्रैक्टिस स्वयं में अनुभव करते हो? या समझो जिस समय आपको कारणे अकारणे किसी बात के प्रति व्यर्थ संकल्प का तूफान आ गया है, ऐसे समय पर आप अपने मन बुद्धि को एकाग्र कर सकते हो? यह एकाग्रता के शक्ति की ड्रिल समय पर करके देखी है? अगर ऐसे समय पर एक सेकण्ड में एकाग्रता की शक्ति कार्य में नहीं आती तो आगे चलकर ऐसी परिस्थिति बार-बार आयेगी। तो आज बापदादा सेकण्ड में फुलस्टाप अर्थात् एकाग्र स्थिति के अभ्यास पर अटेन्शन खिंचवाना चाहता है क्योंकि प्रकृति अपने भिन्न-भिन्न रंग दिखाने शुरू कर दिये हैं। चारों ओर क्या-क्या हो रहा है, वह आप सब ज्यादा जानते हो। तो ऐसे मन-बुद्धि को भटकाने वाली बातें आनी ही हैं, तो अभी यह प्रैक्टिस करो कि मन को बुद्धि को आप एक सेकण्ड में परमधाम में टिका सकते हो! अभी अपने को फरिश्ते रूप में टिकाओ। अभी अपने को मैं ब्राह्मण मास्टर सर्वशक्तिवान स्थिति में हूँ, इस मास्टर सर्वशक्तिवान स्थिति में स्थित हो जाओ।

(बापदादा ने ड्रिल कराई)

ऐसी प्रैक्टिस सारे दिन में जब भी समय मिले, बार-बार मन को एकाग्र करके देखो। जहाँ चाहो, जो चाहो वहाँ मन एकाग्र हो। पुरुषार्थ एक मिनट लगे, एक सेकण्ड में फुलस्टॉप क्योंकि ऐसा समय हलचल का अभी तैयारी कर रहा है इसलिए माइण्ड कन्ट्रोल - मन मेरा है, मैं मन नहीं, मेरा मन है तो मेरे के ऊपर मैं का कन्ट्रोल है? यह ड्रिल बहुत आवश्यक है।

ओम् शान्ति

जो सर्व शक्तियों रूपी किरणें चारों और फैलाते हैं वही मास्टर ज्ञान-सूर्य हैं।

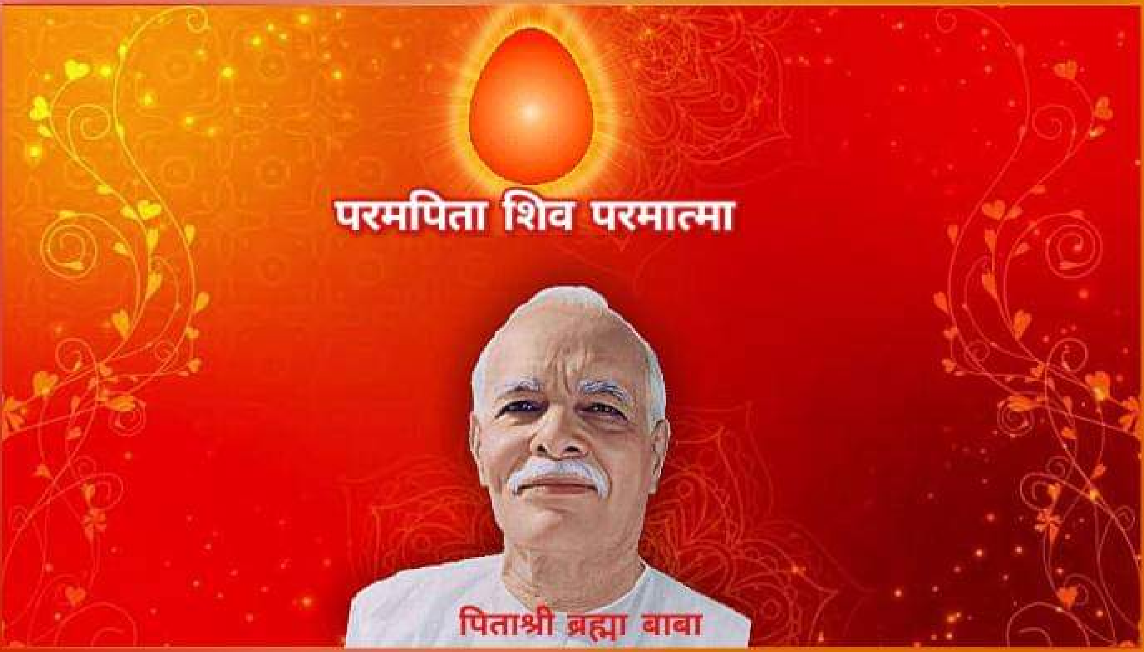

Om Shanti

जैसे साथ रहने वाली आत्माओं को स्पष्ट देखते, बोलते, सहयोग देते और लेते हो, ऐसे रूहानियत की शक्ति द्वारा दूर रहने वाली आत्माओं को समीपता का अनुभव करा सकते हो। सिर्फ इसके लिए मास्टर सर्वशक्तिमान, सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति में स्थित रहो और संकल्प शक्ति को स्वच्छ बनाओ

Join Brahma Kumaris

श्रेष्ठ प्रेरणा

अपना हर वो बोझ और फिक्र परमात्मा को सौंप दें जो आप संभाल नहीं पा रहे हैं... वो सब संभाल लेंगे... परमात्मा इस समय आए ही हैं हमारे सभी बोझ स्वयं लेकर हमें चिंतामुक्त और निश्चिंत जीवन जीना सिखाने के लिए... इसलिए संगमयुग के समय का सही उपयोग करें और सदा निश्चिंत रहें...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

हर कार्य सहज हो जाएगा अगर हम सदा याद रखे की "करनकरावनहार भगवान है और मैं केवल निमित्त हूं।"

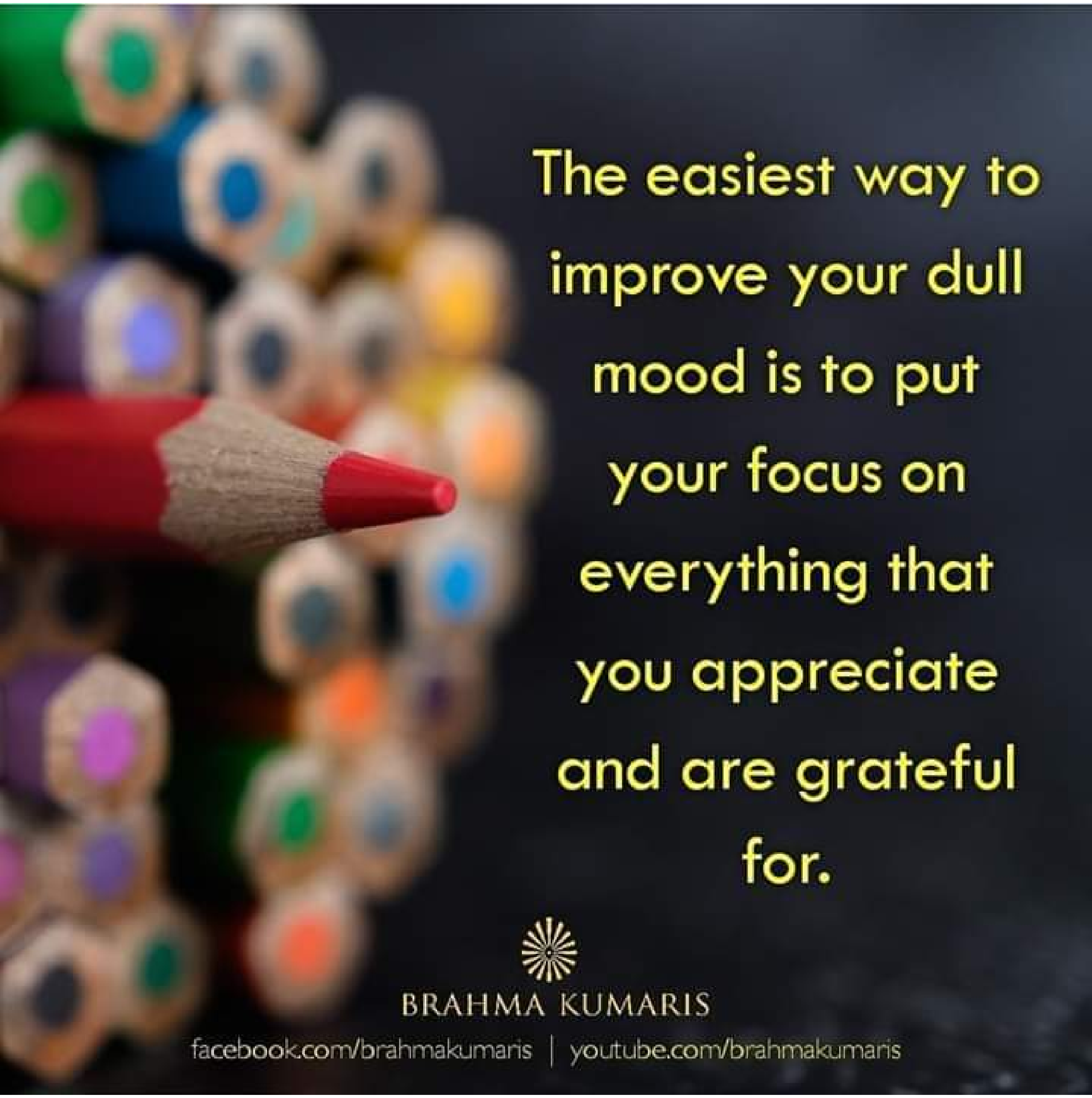
The easiest way to improve your dull mood is to put your focus on everything that you appreciate and are grateful for.
BRAHMA KUMARIS
facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net

and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org